पृष्ठभूमि – बाबुल में एक संकट

दानिय्येल 2 में, राजा नबूकदनेस्सर ने एक विचलित करने वाला सपना देखा, लेकिन वह उसके विवरण को भूल गया। उसने अपने जादूगरों और ज्योतिषियों से न केवल स्वप्न का अर्थ, बल्कि स्वयं स्वप्न को भी बताने की माँग की — यह मनुष्यों के लिए असंभव कार्य था। जब वे ऐसा नहीं कर सके, तो उन्होंने स्वीकार किया:

दानिय्येल 2:11 (ERV-HI):
“जो बात राजा चाहता है, वह बहुत कठिन है। और ऐसा कोई नहीं है
जो राजा को वह बता सके, केवल देवताओं को छोड़कर—पर वे मनुष्यों के बीच नहीं रहते।”

यह कथन मनुष्यों की सीमाओं की स्वीकृति है, लेकिन साथ ही यह एक गहरी आध्यात्मिक सच्चाई को उजागर करता है: सच्चा प्रकाश और रहस्योद्घाटन न तो मानवीय धर्मों से आता है, न ही अंधकार की आत्माओं से, बल्कि केवल सच्चे परमेश्वर से आता है।

आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि – ये ‘देवता’ कौन हैं?

बाबुल के लोग बहुदेववादी थे। उनके विश्वास में अनेकों देवता, आत्माएँ और ब्रह्मांडीय शक्तियाँ थीं। जब उन्होंने कहा कि “वे देवता मनुष्यों के बीच नहीं रहते”, तो उनका संकेत संभवतः उन रहस्यमय शक्तियों की ओर था जो उनकी साधारण जादू-टोने की प्रथाओं से परे थीं।

विडंबना यह है कि यह कथन वास्तव में यहोवा बाइबिल के परमेश्वर—की ओर इंगित करता है, जो:

सम्पूर्ण सृष्टि से ऊपर महान है,
मनुष्यों के बीच मूर्तिपूजकों के देवताओं की तरह नहीं रहता,
और एकमात्र ऐसा है जो सम्पूर्ण ज्ञान रखता है—यहाँ तक कि भविष्य और हृदय की बातों का भी।

यशायाह 55:8–9 (ERV-HI):
“‘क्योंकि तुम्हारे विचार मेरे विचार नहीं हैं, और तुम्हारी योजनाएँ मेरी योजनाओं के जैसी नहीं हैं,’ यहोवा की यह वाणी है।
‘जैसे आकाश पृथ्वी से ऊँचा है, वैसे ही मेरी योजनाएँ तुम्हारी योजनाओं से, और मेरे विचार तुम्हारे विचारों से ऊँचे हैं।’”

मूर्तिपूजक शक्तियों की निर्बलता

बाइबल बार-बार दिखाती है कि झूठे देवताओं और दुष्ट आत्माओं में कोई सच्ची शक्ति नहीं होती:

भजन संहिता 115:4–8 (ERV-HI):
“उनके देवता तो चाँदी और सोने के बने हैं, और वे मनुष्यों के हाथों की कारीगरी हैं। उनके मुँह हैं, पर वे बोलते नहीं;
आँखें हैं, पर वे देखते नहीं…
जो लोग उन मूर्तियों को बनाते हैं, वे स्वयं उनके जैसे हो
जाते हैं, और वे भी जो उन पर भरोसा करते हैं।”

ये आत्माएँ अक्सर बलिदान, अनुष्ठान, या किसी वस्तु जैसे बाल या पदचिन्ह के माध्यम से कुछ ‘प्रकाशन’ देने का दावा करती हैं। यह उनकी सीमितता को दर्शाता है—वे सर्वज्ञ नहीं हैं, न ही सर्वव्यापी। वे भय और छल से काम करते हैं, और उनका ज्ञान अधूरा और सांसारिक होता है।

अय्यूब 1:7 (ERV-HI):
“यहोवा ने शैतान से पूछा, ‘तू कहाँ से आया?’ शैतान ने उत्तर दिया, ‘मैंने पृथ्वी पर घूम-घूमकर उसमें चक्कर लगाया है।’”

यह स्पष्ट करता है कि शैतान को ज्ञान पाने के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है, जबकि परमेश्वर तो सब कुछ जानता है।

केवल परमेश्वर ही रहस्यों को प्रकट कर सकता है

इसके विपरीत, इस्राएल के परमेश्वर ने दानिय्येल को वह स्वप्न बता दिया जो राजा भूल गया था और वह भी बिना किसी मानवीय उपाय के:

दानिय्येल 2:28 (ERV-HI):
“परन्तु एक परमेश्वर स्वर्ग में है जो गुप्त बातें प्रकट
करता है…”

दानिय्येल ने न तो सितारों की ओर देखा, न ही आत्माओं या टोने- टोटकों की ओर। उसने स्वर्ग के परमेश्वर से प्रार्थना की और उसे उत्तर मिला:

दानिय्येल 2:20–22 (ERV-HI):
“‘परमेश्वर का नाम सदा-सर्वदा धन्य रहे, क्योंकि ज्ञान और शक्ति उसी की है।

वह गूढ़ और छिपी बातें प्रकट करता है; वह जानता है कि अंधकार में क्या है, और प्रकाश उसके साथ रहता है।’”

यह स्पष्ट करता है: सच्चा प्रकाशन परमेश्वर का वरदान है, न कि जादू-टोने या रहस्यवादी अनुष्ठानों का परिणाम।

आज की चेतावनी – आत्मिक धोखे से सावधान

आज भी बहुत लोग ज्योतिष, आत्मा पूजा, काला जादू या आत्माओं से संवाद में समाधान खोजते हैं। लेकिन बाइबल स्पष्ट रूप से चेतावनी देती है:

व्यवस्थाविवरण 18:10–12 (ERV-HI):
“तेरे बीच कोई ऐसा न हो जो… टोना-टोटका करता हो, या जादू- टोना करता हो, या मंत्र बोलता हो, या भूत-प्रेतों से बात
करता हो…
ऐसा करने वाला हर एक यहोवा के लिए घृणित है।”

जो परमेश्वर के अलावा किसी और पर भरोसा करता है, वह अपने जीवन

में अंधकार और विनाश के लिए द्वार खोलता है।

हमारी एकमात्र आशा – स्वर्ग का परमेश्वर

सच्ची आशा केवल यहोवा में है—वह परमेश्वर जो रहस्य प्रकट करता है, भविष्य जानता है और हमारे जीवन को निर्देश देता है:

भजन संहिता 115:3 (ERV-HI):
“हमारा परमेश्वर स्वर्ग में है; वह जो चाहे वही करता है।”

यहोवा मूर्तियों की तरह नहीं है जिसे रीतियों, बलिदानों या मध्यस्थों की आवश्यकता हो। वह अपने वचन और आत्मा के द्वारा स्वयं प्रकट होता है।

अंतिम प्रोत्साहन

केवल परमेश्वर ही सर्वशक्तिमान, बुद्धिमान और विश्वास के

योग्य है। निर्बल मूर्तियों या झूठी आत्माओं पर भरोसा न करें। दानिय्येल के परमेश्वर की ओर फिरें जो हमारे हृदय को जानता है और हमारी भविष्य को अपने हाथों में रखता है।

नीतिवचन 3:5–6 (ERV-HI):
“तू पूरे मन से यहोवा पर भरोसा रख, और अपनी समझ का सहारा न
ले।
तेरे सब कामों में उसी को स्मरण रख, और वह तेरे मार्ग सीधे करेगा।”

आमीन।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp